পাঠ
पाठ 13

পূজোর ছুটিতে দক্ষিণ ভারতে ভ্রমণ

মীনা : এবারে পূজোর ছুটিতে আপনি কোথাও বেড়াতে যাবেন নাকি?

শুক্লা : না, এবার আর কোথাও যাব না। আমার ছেলের সামনেস্প মাধ্যমিক পরীক্ষা। তবে ভাবছি, দুচার দিনের জন্য বাপের বাড়ী চলে যাব। তোমরা কি কোথাও যাচ্ছ?

মীনা : হ্যাঁ, আমরা দক্ষিণ ভারতে যাব, ভাবছি।

শুক্লা : যাও, যাও। খুব ভাল লাগবে। দক্ষিণ ভারতের মধ্যে মহীশূর খুব ভাল জায়গা। তোমাদের ভাল লাগবে। আমি ওখানে কিছুদিন ছিলাম। ওখানকার রাস্তাঘাট খুব পরিষ্কার পরিচ্ছন্ন। বাড়ীঘর খুব সুন্দর। তাছাড়া চামুণ্ডী মন্দির মহীশূরের

पूजा की छुट्टियों में दक्षिण भारत भ्रमण

मीना : आप इस बार पूजा की छुट्टियों में कहीं घूमने जाएँगी क्या?

शुक्लाः नहीं, इसबार कहीं नहीं जाऊँगी। मेरे लड़के की माध्यमिक परीक्षा निकट है। फिर भी सोच रही हूँ दो-चार दिन के लिए पिता के घर चली जाऊँ। क्या आपलोग कहीं जा रहे हैं?

मीना : हाँ, हमलोग दक्षिण भारत जाने की सोच रहे हैं।

शुक्लाः जाइए, जाइए। बहुत अच्छा लगेगा। दक्षिण भारत में मैसूर बहुत अच्छी जगह है। आपलोगों को वहाँ अच्छा लगेगा। मैं कुछ दिनों तक वहाँ रही हूँ। वहाँ की सड़कें बहुत साफ सुथरी हैं। वहाँ के मकान बहुत सुंदर हैं। इसके अलावा चामुंडी मंदिर, मैसूर का राजमहल, वृंदावन उद्यान, श्रीरंगपट्टनम् के श्री रंगनाथ स्वामी (विष्णु) मंदिर और टीपू सुलतान के

রাজপ্রাসাদ, বৃন্দাবন গার্ডেনস ও শ্রীরঙ্গপট্টনমের শ্রীরঙ্গনাথ স্বামী (বিষ্ণু) মন্দির ও টিপু সুলতানের কেল্লা, দরিয়া দৌলত মহল স্পত্যাদি দেখার মতো।

किला, दरिया दौलत महल आदि देखने लायक हैं।

মীনা : আমরা প্রথমে চেন্নাস্প যাব। সেখান থেকে মহাবলীপুরমে যাব। তারপর পণ্ডিচেরীতে একদিন থাকব। সেখান থেকে যাব রামেশ্বরমে। তারপর কন্যাকুমারী হয়ে মাদুরাস্প যাব। মাদুরাস্প থেকে মহীশূর যাব। মহীশূর থেকে গোয়া যাওয়ার স্পচ্ছা ছিল। কিন্তু, এবার হয়তো গোয়া যেতে পারব না। অতদিন বাস্পরে থাকা সম্ভব নয়। কারণ মেয়ের স্কুল খুলবে ৪ঠা নভেম্বর।

मीना : हमलोग पहले चेन्नई जाएँगे। वहाँ से महाबलीपुरम् जाएँगे। उसके बाद पांडिचेरी में एक दिन ठहरेंगे। फिर वहाँ से रामेश्वरम जाएँगे। उसके बाद कन्याकुमारी होते हुए मदुराई जाएँगे। मदुराई से मैसूर जाएँगे। मैसूर से गोवा जाने की इच्छा थी किंतु, शायद इसबार गोवा नहीं जा पाएँगे। इतने दिन बाहर रहना संभव नहीं है। क्योंकि चार नवंबर से लड़की का स्कूल खुल जाएगा।

শুক্লা : মহীশূরে তোমাদের কোনো অসুবিধে হবে না। আমার মা ও ভাস্প মহীশূরেস্প থাকে। তোমরা ওদের কাছে থাকতে পার। আমি আমার ভাস্পকে চিঠি লিখে দেব।

शुक्ला: मैसूर में आपलोगों को ठहरने की कोई असुविधा नहीं होगी। मेरी माँ और भाई मैसूर में ही रहते हैं। तुमलोग वहाँ ठहर सकते हैं। मैं अपने भाई को चिट्ठी लिख दूँगी।

মীনা : ঠিক আছে। মহীশূরে যাওয়ার

मीना : ठीक है। मैसूर जाने के पहले हम आपको बता देंगे।

আগে আপনাকে জানাব।

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
এবার	इसबार
কোথাও	कहीं
যাব	जाएँगे
দক্ষিণ	दक्षिण
বাপের বাড়ি	पिता के घर
পরিষ্কার	साफ़
পরিচ্ছন্ন	साफ़ सुथरा
কেল্লা	किला
হয়ে	होकर
যাওয়া	जाना
শ্পচ্ছা	इच्छा
অত	उतना
যাওয়ার আগে	जाने के पहले
দিন	दिन
কারণ	कारण, क्योंकि
কাছে	पास में

अभ्यास

I. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थानपर कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर दो-दो नये वाक्य बनाइए।

1. আমরা দক্ষিণেশ্বর <u>বেড়াতে</u> যাব। (ঘুরতে, ভ্রমণ করতে)

2. আমরা মাদ্রাজে দুদিন থাকব। (মহীশূরে, গোয়াতে)

3. আপনারা কি পণ্ডিচেরীতে যাবেন ? (থাকবেন, আসবেন)

4. তোমরা কোথায় যাবে ? (খাবে, কিনবে)

5. সে রবিবারে বাজারে যাবে। (বেনারসে, পুরীতে)

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. আমি আগামী গরমের ছুঁটিতে সিমলা __________ । (যাব, যাম্প)

2. রবিবার কি সিনেমা দেখতে __________ ? (যায়, যাবে)

3. আপনারা কোথাও __________ কি ? (যাবেন, যান)

4. তুম্প আজ সন্ধ্যেবেলা কোথায় __________ ? (যাস, যাবি)

5. তুমি কি এখন সাম্পকেল __________ ? (চালাও, চালাতে)

III. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(খেলবেন, দেখবেন, খেলবি, যাব, গাম্পবে)

1. কাল সকালে কি আমি __________?

2. আপনি কি ফুটবল __________ ?

3. তুমি কি অনুষ্ঠানে গান __________ ?

4. আপনি কি সিনেমা __________?

5. তুম্প কি আজ ক্রিকেট __________ ?

IV. नीचे दिए गए वाक्यों को निषेधात्मक बनाइए।

1. আমি এবারে গোয়া যাব।
2. সে কোলকাতা যাবে।
3. তুম্প কি বম্পৌা পড়বি?
4. আমরা কাল পিকনিক করতে যাব।
5. তুমি কি রবিবারে দিল্লী যাবে?

V. उपयुक्त शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. আমরা ছুটিতে হায়দ্রাবাদ __________ ।
2. আমরা কি বাজারে ________________ ?
3. আমরা রাত্রে কোথায় __________ ?
4. সে ডিসেম্বরে লণ্ডনে __________ ।
5. দাসবাবু ছুটিতে বেনারসে __________ ।

VI. नीचे दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

1. যাব, যখন, তখন, জানিয়ে, মহীশূর, আমরা, দেব, আপনাকে।
2. কন্যাকুমারী, তারপর, ওখান, যাব, থেকে।
3. রিঁণু, ব্যাঙ্গালোর, মহীশূর, কাল, মহীশূর এক্সপ্রেস, থেকে, আসবে।
4. ছুটিতে, বেড়াতে, নাকি, কোথাও, যাবেন, পূজোর
5. যাবে, ৪ঠা নভেম্বর, স্কুল, মেয়ের, খুলে।

VII. नीचे दिए गए प्रत्येक वाक्य के जितने हो सकें उतने प्रश्नवाची वाक्य बनाइए।

1. সুদীপ্তা এবং সুস্মিতা সামনের মাসে কন্যাকুমারী যাবে।
2. আমার মা বাবা দু বছরের জন্য নতুন দিল্লীতে থেকেছেন।
3. ছৌ ছৌ শিশুরাও সকাল আঁ ার সময় স্কুলে যাচ্ছে।
4. রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর ১৯০১ সালে শান্তিনিকেতন স্থাপন করেন পশ্চিম বাংলার বোলপুরে।
5. আমার বোনঝি সুনয়না খুব ভালোভাবে ছৌবেলা থেকেস্প গান করে।

पढ़िए और समझिए।

স্বপ্ন ভঙ্গ   स्वप्न भंग

স্কুল পাঠ্য রচনা বস্পতে একৌ বিষয় থাকে "তুমি বড় হয়ে কি হবে?" আপনি যে কোনো স্কুলের ছাত্রদের রচনা খাতা দেখুন, দেখবেন সবাস্প লিখেছে, 'আমি ডাক্তার হব, আমি স্পঞ্জিনিয়ার হব' স্পত্যাদি। কারোর খাতায় দেখবেন না যে, সে লিখেছে যে সে বড় হয়ে রেলগাড়ী চালাবে বা মৌর গাড়ী চালাবে। আসলে বাবা মায়েরা যা চান ছেলে মেয়েরা রচনায় তাস্প লেখে, তাস্প ভাবে। এর প্রমাণ ডাক্তারি বা স্পঞ্জিনিয়ারিং কলেজে ভর্ত্তির জন্য আবেদনের সংখ্যা। জীবনে যে আরো অনেক কিছু করার আছে তা কোনো বাবা-মা ভাবেন না। সবাস্প চান তাঁদের ছেলে মেয়েরা ডাক্তার স্পঞ্জিনিয়ার হবে। তাঁরা একবার ভেবেও দেখেন না যে তাঁদের ছেলে-মেয়েরা অযথা স্নায়বিক চাপে ভোগে। এস্প সুযোগে ব্যাঙের ছাতার মতো গজিয়ে উঠেছে প্রাস্পভে মেডিক্যাল কলেজ আর স্পঞ্জিনিয়ারিং কলেজ। অবস্থাপন্ন পরিবারের ছেলে মেয়েরা ডোনেশন দিয়ে এস্প সব কলেজে ভর্ত্তি হয়। এর ফলে শিক্ষার মানও কমে যায়। এস্প ব্যবস্থার পরিবর্ত্তন করতে হবে। ছাত্রদের মধ্যে এস্প ভাব আনতে হবে যে, কোন কাজস্প ছৌ নয়। নিজের নিজের ক্ষমতা অনুযায়ী সবাস্প দেশের সেবা করবে। তবেস্প অহেতুক এস্প ডাক্তারি শিক্ষার, স্পঞ্জিনিয়ারিং শিক্ষার মোহ দূর হবে।

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
পাঠ্য	पाठ्य, पढ़ने योग्य
রচনা	रचना
বিষয়	विषय
খাতা	कॉपी
বাবা	पिता
মা	माँ
আসলে	असल में
প্রমাণ	प्रमाण
ভর্ত্তির	भर्ती का
আবেদন	आवेदन
ক্ষমতা	क्षमता
কতা	कितना
চাপে	दबाव में
চান	चाहना
সুযোগে	अवसर में
ব্যাঙের	मेंढक का
ছাতার	छाते का
গজিয়ে	उगने
পরিবারের	परिवार का

অবস্থাপন্ন	धन, संपत्ति
মানও	मानक भी
পরিবর্তন	परिवर्तन
দেশের	राष्ट्र की
সেবা	सेवा
মোহ	मोह
দূর	दूर
হবে	होगा

अभ्यास

I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. স্কুলের ছেলে-মেয়েরা বড় হয়ে কি হতে চায়?
2. ছেলে-মেয়েদের ভবিষ্যৎ জীবিকা কি হবে তা কিসের ওপর নির্ভর করে?
3. ছেলে-মেয়েদের ক্ষমতা অনুযায়ী কি বাবা মায়েরা তাদের ভবিষ্যতের জীবিকার কথা ভাবেন?
4. প্রাম্পভৌ মেডিক্যাল ক্বলেজ এবং স্পঞ্জিনিয়ারিং কলেজ বেশী হয়েছে কি জন্যে?
5. প্রাম্পভৌ মেডিক্যাল কলেজ এবং স্পঞ্জিনিয়ারিং কলেজে ভর্তির জন্যে যোগ্যতা কি?

II. बायीं ओर दिए गए शब्दों का दाहिनी ओर दिए गए शब्दों से मिलान कीजिए।

ব্যাঙের ছাতা	অকারণ
অযথা	পালানো
পরিবর্তন	যেখানে সেখানে গজিয়ে ওঠা প্রতিষ্ঠান

ভাবেন	সংসার
পরিবার	চিন্তা করেন

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

মহীশূর ৬

৪.৯.০৪

প্রিয় স্বাতী,

আগামী ২৫ শে সেপ্টেম্বর আমি কোলকাতায় যাব, তাম্প ৰ্কি কেটৈছি। আমি করমণ্ডল এক্সপ্রেসে ২৭ তারিখ হাওড়ায় পৌঁছাব। তারপর ওখান থেকে আমি সরাসরি আমার বাড়ী খিদিরপুরেম্প যাব। আমি এখন ওখানেম্প থাকব। আমার খুব আনন্দ হচ্ছে। কতদিন পরে আবার মায়ের হাতের রান্না খাব। সকাল থেকে রাত্রি পর্যন্ত মা, বাবা, দিদি, বোনঝির সাথে কৗাব। ওখানে গিয়ে তোমাদের সাথে যোগাযোগ করব। আমি এখন বাড়ী যাব তাম্প আনন্দে মসগুল।

আর কি? আজ শেষ করলাম। বড়দের প্রণাম দিও। তুমি আমার শুভেচ্ছা নিও।

স্পতি

ঊষসী রায়।

স্বাতী আম্পচ

মধ্যমগ্রাম

কলকাতা -- ৩০

IV. बंगला में अनुवाद कीजिए।

राष्ट्रधर्म का पालन ही हमारा सब से पहला धर्म है। राष्ट्र का गौरव ही हमारा गौरव है। हम अपने राष्ट्र की रक्षा करेंगे। अपने राष्ट्र के विरुद्ध हम कोई भी काम नहीं करेंगे। हम अपने

राष्ट्र की अखंडता की रक्षा करेंगे। संविधान की मर्यादा का पालन करेंगे। भाषा, जाति और धर्म के विवादों को लेकर आपस में नहीं झगड़ेंगे।

राष्ट्र के विकास और शांति के लिए सदा जागरूक रहेंगे। परस्पर मनमुटाव नहीं करेंगे। आपस में भाईचारा बनाए रखेंगे।

यही है हमारा राष्ट्रधर्म। इसका पालन हम सब परस्पर सहयोग से करेंगे। राष्ट्र के प्रति यही हमारा कर्तव्य है। हम अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे तभी तो हम अपने अधिकारों के योग्य बनेंगे।

V. भारतीय गणतंत्र दिवस के बारे में एक अनुच्छेद बंगला में लिखिए।

टिप्पणियाँ

I. इस पाठ में सामान्य भविष्य काल के क्रिया रूपों का प्रयोग दिखाया गया है। इस प्रकार के क्रिया रूप बनाने के लिए स्वरांत तथा व्यंजनांत धातुओं में ‘ব’ (ब) लगाकर भविष्य काल के पुरुष वाचक प्रत्यय जोड़े जाते हैं। जैसे :

(क)	আমি খাব।	(খা + ব + ও)	मैं खाऊँगा/खाऊँगी
	আপনি/তিনি খাবেন।	(খা + ব + এন)	आप/वे खाएँगे/खाएँगी
	তুমি খাবে।	(খা + ব + এ)	तुम खाओगे/खाओगी
	সে খাবে।	(খা + ব + এ)	वह खाएगा/खाएगी
	তুম্প খাবি।	(খা + ব + ম্প)	तू खाएगा/खाएगी
(ख)	আমি ফিরবো।	(ফির + ব + ও)	मैं लौटूँगा/लौटूँगी
	আপনি/তিনি ফিরবেন।	(ফির + ব + এন)	आप/वे लौटेंगे/लौटूँगी
	তুমি ফিরবে।	(ফির + ব + এ)	तुम लौटोगे/लौटोगी
	সে ফিরবে।	(ফির + ব + এ)	वह लौटेगा/लौटेगी
	তুম্প ফিরবি।	(ফির + ব + ম্প)	तू लौटेगा/लौटेगी

द्रष्टव्य : भविष्य कालिक पुरुष, प्रत्यय, वर्तमान, भूत आदि से पृथक होते हैं। इन वाक्यों के निषेधात्मक रूप बनाने के लिए क्रिया के बाद 'না' (ना) जोड़ा जाता है। जैसे :

আমি যাবো না।	मैं नहीं जाऊँगा/जाऊँगी।
আমি ফিরবো না।	मैं नहीं लौटूँगा/लौटूँगी।

আমি আসব ।	(আস + ব + ও)	मैं आऊँगा/आऊँगी।
আপনি/তিনি আসবেন।	(আস + ব + এন)	आप/वे आएँगे/आएँगी।
তুমি আসবে।	(আস + ব + এ)	तुम आओगे/आओगी।
সে আসবে।	(আস + ব + এ)	वह आएगा/आएगी।
তুম্প আসবি।	(আস + ব + ম্প)	तू आएगा/आएगी।